



ଶ୍ରୀହରିହରିନାଥଙ୍କୁ

ଅମ୍ବାଶ୍ରୀପଦିକ୍ଷାତ୍ମିକାମାଧ୍ୟାକ୍ଷିତ
ଶାସନଦିକ୍ଷାତ୍ମିକାମାଧ୍ୟାକ୍ଷିତ ।

୭୭ | ଶିଖିନିକ୍ଷିତିରୁଦ୍ଧାରଣାରତ୍ନିଶବ୍ଦ
ଶିଖିନିକ୍ଷିତିରୁଦ୍ଧାରଣାରତ୍ନିଶବ୍ଦ |

ଶିଖିନିକ୍ଷିତିରୁଦ୍ଧାରଣାରତ୍ନିଶବ୍ଦ |

ଶିଖିନିକ୍ଷିତିରୁଦ୍ଧାରଣାରତ୍ନିଶବ୍ଦ |

ଦୟାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥି । ୧୯୫୨ ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଏହାରେ
ଏହାରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଏହାରେ ।

本書根据人民出版社1955年7月第二版第8次印刷本譯出。

ଦୟାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ । ୧୯୫୨ (୩) ୨୩୮

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

ଅଛି । ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ
ଏହାରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

*

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

*

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ

ଶରୀରମଧ୍ୟରେ ଜ୍ଞାନପଦାର୍ଥିମାନଙ୍କରେ ।

ବାନ୍ଧବ

- ମୁଖୀ. ପରି. କୂଦ. ଶି. ମଦ. ମେ. ଶିଥି. କିନ୍ତୁ. ଯୁଗମ. ୫୮. ରହ୍ୟମ । (5)
- ମୁଖୀ. ପରି. କୂଦ. ଶି. କୂଦାଶ. ଗଠନ. ୨୩୮. ଜିଲ୍ଲା । (66)
- ମୁଖୀ. ମସ୍ତୁକ. କୁମାର. ପରି. ପିଲା. ପିଲା । (81)
- ମୁଖୀ. ମସ୍ତୁକ. କୁମାର. ପରି. ପିଲା. (81)
- ମୁଖୀ. ମସ୍ତୁକ. ପିଲା. ମେଳ. ୫୮. କୂଦନ. କୂଦନ. ଶିଥି. ପରି. ପିଲା. (83)
- ମୁଖୀ. ମସ୍ତୁକ. କୂଦନ. କୂଦନ. ଶିଥି. ପରି. ପିଲା. (89)
- ମୁଖୀ. ମସ୍ତୁକ. କୂଦନ. ପରି. ପିଲା. (105)

୭୭। ଶାଖାପରିକ୍ଷମତିଥିଲାମହନ୍ତିଶ
ଶାଖାପରିକ୍ଷମତିଥିଲାମହନ୍ତିଶ ।

ଶ୍ରୀ ୫. ଯିତ୍ତାମାତ୍ରମହନ୍ତିଶ ।

ଶ୍ରୀ ୫. ଯିତ୍ତାମାତ୍ରମହନ୍ତିଶ ।

କାନ୍ତିକମ

ପ୍ରକାଶକ ମୁଦ୍ରଣ କରିଛି ଏବଂ ପରିଚାରିତ ହେଲାମାତ୍ର ଏହାର ଅଧିକାରୀ

ମୁଦ୍ରିତ କାନ୍ତିକାଳୀନ ପରିଚୟ । (୩)

ଆମେ ପାଇଁ କୋଣାର୍କ ଶୁଣି ଦେଖିବାର ବିଷ (66)

ଶ୍ରୀମୁଦ୍ରାକବିଷୟମତ୍ତବ୍ୟାପିତାନ୍ତିରେ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ । (81)

ଶ୍ରୀମସ୍ତୁତ୍ସଦେଶକୃତି ଏହାପରିପରି ଖଣ୍ଡମାତ୍ରା । (81)

ଶ୍ରୀମଦ୍-ଭାଗ୍ବତ-ମହାପାଠ-ପାଦ-ପରିଚୟକା। (83)

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ୍-ପାଠ୍-ପରିଚୟାବଳୀ (89)

କୁ.ପିଣ୍ଡ.କୁ.ପକ୍ଷିନ୍.ପାତ୍ରଶି.ପକ୍ଷ.ରାଶିଯ | (105)

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ ପରିଚୟ

ଶ୍ରୀମତ୍ତମାନଙ୍କମା [ଶକ୍ତିବିଦୀ]

ବିନ୍ଦୁ ପରିଷାର କାଳିକା ମହିନେ ଏହାର ଅଧିକାରୀ ହେଲାମୁ।

ସବା । ଦ୍ୱାରା କଣ୍ଠରେ ପଦିନ୍ଦରେ ମଧ୍ୟରେ ଏହାରେ ଥିଲା ।

ਪੰਨਾ

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ୍ । ୧୦.୨୫.୩
ପାଦକରଣିକା
ପାଦକରଣିକା

୮. କଣ୍ଠାରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ
ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ ପାଦରୀଙ୍କ

ଶିଖ. ପଦ୍ମ. କୁଣ୍ଡଳ. ଶିଖ. ପର୍ବତ. ପାତ୍ର. କୁଣ୍ଡଳ. ଶିଖ. ପଦ୍ମ. କୁଣ୍ଡଳ.

କ୍ଷାଣୀ. ଯା. ନନ୍ଦ. କୁଶ. ଯ. ସ୍ରୋତ. ପରି. କୁଶ. ଜ୍ଞାନପାତ୍ର. ନିନ୍ଦ. ରହୁଦ. ଯ. ଯିନ୍ଦ.
ଯଶ. ନି. କ୍ରି. କ୍ରମ. ଯାତ୍ରି. ନି. ରହୁଦ. କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର. ପରି. ହିନ୍ଦୁ. ନୁ. ରହୁଦଶ. .
ବନ୍ଧୁ. ରହୁଦ. ଭିନ୍ଦ. କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର. ନିନ୍ଦ. ଯିନ୍ଦ. ଯଶ. ନିନ୍ଦ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. କ୍ରି. ନିନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ.
ବା. ଯିନ୍ଦ।

ଜ୍ଞାନ. କ୍ରି. ନି. ଯଶ. ଲ୍ଲେଣ୍ଟା. ଶ୍ରୀ. କୁଶ. ଜ୍ଞାନପାତ୍ର. ପଦ. ଶ୍ରୀ. ନିନ୍ଦ. ଯଶ.
ପୁନ. ଯ. ଯିନ୍ଦ. । କୁଶ. ଜ୍ଞାନପାତ୍ର. ନି. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ନନ୍ଦ. ନି. ନିନ୍ଦ. କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର.
ଯ. ନନ୍ଦ. । କୁଶ. ଯା. ନନ୍ଦ. ମା. ମାତ୍ରାକ. ମନ୍ଦ. କର୍ତ୍ତା. ଯ. ପତନ. .
ପତନ. ଗନ୍ଧା. ରହୁଦ. ଯ. ଯିନ୍ଦ। ନିନ୍ଦ. ପରି. ଜ୍ଞାନ. ଶ୍ରୀ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. କ୍ରି. କ୍ରମ. ଯାତ୍ରି.
ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ଦ. କର୍ତ୍ତା. ଯାତ୍ରି. ଶ୍ରୀ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. ଯଶ. ନିନ୍ଦ. ନିନ୍ଦ.
ଭିନ୍ଦ. ଯିନ୍ଦ। ନିନ୍ଦ. ମନ୍ଦ. କର୍ତ୍ତା. ଯାତ୍ରି. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ଦ. ଯାତ୍ରି. ଯ. ଶ୍ରୀ. ଗନ୍ଧା. .
କର୍ତ୍ତା. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ଦ. ଯାତ୍ରି. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ଦ. ଯାତ୍ରି. ଯ. ଶ୍ରୀ. କର୍ତ୍ତା. .
ଶ୍ରୀ. କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର. ମନ୍ଦ. ରହୁଦ. ରହୁଦ. କୁଶ. ସ୍ରୋତ. ଶ୍ରୀ. କୁଶ. ଜ୍ଞାନ. ରହୁଦ. ଗନ୍ଧା.
ନନ୍ଦ. । ଜ୍ଞାନ. ଶ୍ରୀ. ନନ୍ଦ. ରହୁଦ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ରହୁଦ. ଭିନ୍ଦ.
କର୍ତ୍ତା. ମନ୍ଦ. ସଂ. ଶ୍ରୀ. ନନ୍ଦ. ମନ୍ଦ. କର୍ତ୍ତା. କର୍ତ୍ତା. ଯଶ. ଗନ୍ଧା. ମନ୍ଦ. ମନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ.
ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. ଯଶ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. କର୍ତ୍ତା. ଯଶ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା.

ଶୁ. ଶ୍ରୀ. ଯିନ୍ଦ. [ଅନ୍ତଃ ॥] ରହୁଦ. ଗନ୍ଧା. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ଦ. କର୍ତ୍ତା. ଶ୍ରୀ. କର୍ତ୍ତା. ଶ୍ରୀ.
ନିନ୍ଦ. ନିନ୍ଦ. ନିନ୍ଦ. ଯ. ଶୁ.
ରହୁଦ. ଶ୍ରୀ. ଚନ୍ଦ. ଗନ୍ଧା. କର୍ତ୍ତା. ନିନ୍ଦ. ନିନ୍ଦ. ନିନ୍ଦ. ନିନ୍ଦ.

षट्क्ष. अ॒द्. य. प॒क्ष. स॒द्. य॒म्. मु॒ष. ग॒नु॒व. य. श॒ि. ह॒ि. क॒ष. ई॒. ।
 मु॒ष. ग॒ि. य॒म्. मु॒ष. ग॒नु॒व. क॒ष. अ॒द्। ॥२८॥ प॒क्ष. क॒द्. य॒ि. षट्क्ष.
 अ॒द्. त्र॒. त्र॒. य॒ि. ह॒ि. ई॒. य॒ि. प॒र्वत्. य. षट्क्ष. प॒नु॒व. अ॒द्. य. प॒क्ष. य॒.
 य. अ॒द्। ॥२९॥ ह॒ि. क॒ष. ई॒. मु॒ष. ग॒ि. क॒द्. य॒ि. ष. ग॒नु॒व. य. अ॒द्. ई॒.
 य॒ि. प॒र्वत्. य. ग॒नु॒व. य. ब॒ि. ग॒नु॒व. त्र॒. क॒ष. अ॒द्। ॥३०॥ त्र॒. ग॒ु॒द.
 त्र॒. त्र॒. मु॒रि॒. अ॒द्. य. अ॒क्ष. क॒. त्र॒. अ॒प॒श. त्र॒. त्र॒. ई॒. य॒ि. ष.
 य॒ि. ष. ग॒नु॒द. य. क॒द्. ई॒. ग॒नु॒द. य. अ॒द्. य. अ॒द्. ॥३१॥ त्र॒. अ॒रि॒.
 त्र॒. त्र॒. मु॒रि॒. अ॒द्. ग॒ि. र॒. अ॒र्ष. मु॒ष. ग॒नु॒द. ग॒ि. ग॒नु॒द. य. अ॒द्.
 अ॒द्. य॒ि. प॒क. त्र॒. अ॒र्ष।

त्र॒. अ॒प॒श. त्र॒. अ॒रि॒. ई॒. य. अ॒. त्र॒. मु॒रि॒. अ॒द्. य. अ॒र्ष। ॥३२॥
 य. ब॒ि. ग॒ु॒द. अ॒द्. अ॒द्. य. ॥३३॥ त्र॒. अ॒प॒श. ग॒ि. त्र॒. मु॒रि॒. अ॒द्. ग॒ि.
 य. अ॒द्. त्र॒. ग॒ु॒द. य. अ॒द्. य. अ॒द्. य. अ॒द्. ॥३४॥ य. अ॒द्. य. अ॒द्.
 त्र॒. अ॒र्ष. अ॒द्. य. अ॒द्. य. अ॒द्. य. अ॒द्. ॥३५॥ अ॒द्. ग॒ि. ग॒नु॒द. य. अ॒द्.
 अ॒द्. य. अ॒द्. ॥३६॥ अ॒द्. ग॒ि. ग॒नु॒द. य. अ॒द्. य. अ॒द्. ॥३७॥ अ॒द्.
 अ॒द्. ग॒ि. ग॒नु॒द. य. अ॒द्. य. अ॒द्. ॥३८॥ अ॒द्. ग॒ि. ग॒नु॒द. य. अ॒द्. ॥३९॥
 अ॒द्. ग॒ि. ग॒नु॒द. य. अ॒द्. ॥४०॥